अब कूनो नदी पर तय होगा खतरे का निशान,पानी के बहाव का भी होगा आंकलन

पत्रिका एक्सक्लूसिव, patrika.com ,दिनांक : 24.10.2020

श्योपुर, जिले की कूनो नदी का भी अब न केवल खतरे का निशान तय होगा, बल्कि नदी के पानी का बहाव और उसकी गुणवत्ता का भी आकलन होगा। इसके लिए केंद्रीय जल आयोग की एक टीम ने सर्वे शुरू किया है, जो इसी माह के अंत तक पूरा हो जाएगा। साथ ही नवंबर से कूनो नदी का जलस्तर मानक तय हो जाएगा और कटीला में वाटर लेवल प्वाइंट बनेगा।

अभी तक चंबल और पार्वती नदियों का भी जलस्तर मानक और खतरे का निशान तय था, जबकि जिले की तीसरी सबसे बडी नदी कूनो का जलस्तर नहीं मापा जाता था। लेकिन अब कूनो नदी पर प्रस्तावित वृहद सिंचाई परियोजना के बनने वाले बांधों के मद्देनजर कूनो नदी का भी जलस्तर आंका जा रहा है।

जिसके तहत चंबल-पार्वती की तरह ही कूनो नदी का भी जलस्तर मानक तय होगा और कटीला में ऑफिस बनाकर केंद्रीय जल आयोग के कर्मचारी तैनात रहेंगे, जो नदी के जलस्तर का मापन करेंगे।

खातौली से शुरू किया सर्वे, कटीला तक करेंगे

केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अधीन बने केंद्रीय जल आयोग का ऑफिस अभी पार्वती नदी खातौली और चंबल नदी पर है। लिहाजा कूनो नदी की समुद्रीतल से उंचाई मापने आयोग की टीम ने पार्वती नदी के लेवल के आधारपर खातौली के पाइंट से 15 अक्टूबर को अपना सर्वे शुरू किया, जो लगभग 80 किमी का सर्वे करते हुए कूनो नदी के कटीला तक पहुंचेगे। जयपुर से आए कनिष्ठ अभियंताद्वय पुरूषोतम शर्मा और राजेश मीणा के साथ कुशल कार्य सहायक महाराजन अरूण और श्यामवीर की टीम इस माह के अंत तक सर्वे कंपलीट करेंगी।

बांध के साथ ही बाढ में भी होगा लाभ

कूनो नदी का जलस्तर मानक बहाव और खतरे का निशान तय होने से जहां कूनो वृहद सिंचाई परियोजना के बांध का प्रोजेक्ट बनाने में मदद मिलेगी वहां बारिश के दिनों में कूनो नदी में आने वाली बाढ के संबंध में भी प्रारंभिक उपाय किया जा सकेंगे।